यीशु ने लड़के के दान से 5000 लोगों को खिलाया

प्रार्थनाः प्रिय प्रभु, इस अध्ययन को इस्तेमाल करे बच्चों को दिखायें कि एक अच्छा चरवाहा क्या करता है जिस से वे भी एक दूसरे की सेवा प्रेम से कर सकेंगे।

बच्चों के सीखने को कोई भी गतिविधियों को चुने जो उनकी आयु या आवश्यकताओं में सही बैठती है।

वर्णन करों कि किस प्रकार एक लड़के ने यीशु को पांच रोटी और दो मछली जिससे उसने आश्चर्य रूप से भेड़ो को खिलाया (यूहन्ना 6:9)

एक बड़ा बच्चा या शिक्षक मरकुस 6:30-44 पढ़े या अपनी याद से यीशु के विषय कहानी बताओं कि कैसे यीशु ने जो हमारा अच्छा चरवाहा है 5000 भूखें लोगों को पांच रोटी और दो मछली से आश्चर्य रूप से खिलाया।

ये प्रश्न पूछिये (उत्तर पदों में दिये गये हैं-मरकुस 6 अध्याय से)

- यीशु ने भूखे लोगों को किस प्रकार खिलाया *(34)*
- यीशु ने अपने चेलों से इन भूखे लोगों के लिये क्या करने को कहा? *(37)*
- चेलों ने किस प्रकार लोगों का सुप्रबन्ध किया? *(40)*
- यीशु ने भीड़ को खिलाने के लिये क्या इस्तेमाल किया? *(41)*
- कितना भोजन बच गया था? *(देखें पद 43)*

मरकुस 6:30-44 से यीशु की कहानी-5000 लोगों को खिलाने का नाटक रूप दें।

नाटक को प्रस्तुत करने के लिये मडंली की आराधना के अगुवे के साथ प्रबन्ध करो। नाटक को तैयारी के लिये अपने शिक्षण के समय को इस्तेमाल करें। बड़े बच्चें छोटों को मदद करें।

- बड़े बच्चे या बडे यीशु और प्रवक्ता की भूमिका निभायें-जो कहानी के सारांश को बनाता है और बच्चों को स्मरण दिलाता हैं कि क्या कहना और क्या करना है।
- कुछ बच्चों को भूखे लोग और चेलों को जो वस्तुएं रखते जो भोजन को दिखाते-उनकी भूमिका निभायें।

प्रवक्ताः मरकुस 6:30 -44 से कहानी बताता है । तब कहता है ''सुनो कि लोग क्या कहते हैं''

लोगः ''आओ यीशु के पीछे हो लें''

''मै उसे शिक्षादेना सुनना पसन्द करता हूँ''

''वह हमारा अच्छा चरवाहा है''

चेलेः ''यीशु, लोगों को भेज दे''

''वे भूखे है, और यहां कोई भोजन नहीं हैं''

यीशु: ''तुम इन्हें खिलाओं''

चेले: ''हम कैसे खिला सकते है''

''हमारे पास काफी पैसे नहीं हैं''

''कोई जगह भोजन खरीदने को नहीं है, भले ही हमारे पास पैसा हो''।

यीशु: ''ये लड़का अपना दो पहर का भोजन मुझे दे रहा है! लोगों को झुन्ड में बैठाओ''

लोग: ''छोटे छोटे झुन्ड में बैठते हैं

यीशु: ऊपर देखकर कहता है, ''पिता हम इस भोजन के लिये धन्यवाद करते हैं''

चेले: लोगों को 'भोजन' बांटते है।

लोग: खाने का नाटक करते हैं। कहते हैं, ''देखो, हरएक के लिये भरपूर भोजन है''

''इसका स्वाद अच्छा है!''

''बहुत सा बच गया है!''

''बारह टोकरे भरकर भोजन बच गया था''

''कितना बड़ा आश्चर्य कर्म''

प्रवक्ता या बड़ा ब्च्चा: जितनो ने सहायता की सब को धन्यवाद देता है।

प्रश्न : यदि बच्चें बड़ें के लिये कहानी को नाटक का रूप देते हैं तो उहों बड़ें से वे प्रश्न पूछने दें जो ऊपर को सूचि में हैं। पूछें:

- परमेश्वर और किन दूसरे तरीकों से लोगों की देख भाल करता है?
- (बच्चों और बड़ों को उदाहरण बताने दें)
- आज, हमारे चरवाहे परमेश्वर के लोगों को किस प्रकार भोजन खिलाते हैं?

[उतर,- परमेश्वर के वचन के साथ, यीशु ने कहा, ''मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीवित रहेगे''(मत्ती4: 4)ये वर्णन करें कि जब शैतान ने यीशु की परीक्षा पाप के लिये, यीशु ने हमेशा शैतान को उत्तर देने के लिये परमेश्वर के वचन को इस्तेमाल किया]

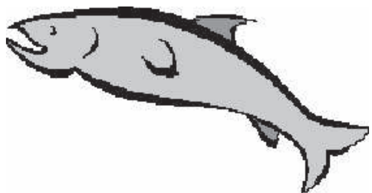

एक मछली की साधारण तस्वीर बनाओं बच्चों को नाटक करने दें बड़े बच्चे पांच रोटी और दो मछली बनाना चाहें।

- अगले आराधना के समय बच्चे बड़े को अपने तस्बिरें दिखा सकते है। और घरों पर अपने माता-पिता को ये बताने दें कि तस्वीर ये प्रगट करती हैं कि किस प्रकार
- बच्चों को, बड़ो को तथा माता पिता को यह बताने दें की यह तस्वीर प्रगट करती है की यीशु ने लोगों की आवश्यकता की देखभाल की।
- उन्हें ये भी बताने दें कि स्वर्ग में हम कभी भूखे नहीं होंगे।

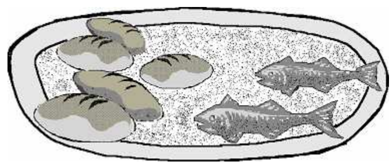

यूहन्ना 6: 51 कंठस्त करें

कविता: हर एक तीन बच्चे दो पदों को भजन 146,पद 2,6,7 और 8 और 9 तथा 10 में से बोलें।

बड़े बच्चे किस प्रकार लोग परमेश्वर के वचन पर करते कविता, और गीत लिखें। वे इसे सप्ताह के बीच में कर सकते हैं।

प्रार्थना: मत्ती 6: 9-13 से प्रभु की प्रार्थना कहें।